लोकमत समाचार

बयान जारी कर किया स्पष्ट

ग्रीन पटाखों के लिए नीरी क्यूआर कोड नहीं देता

नागपुर : सीएसआईआर-नीरी (राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान) ने स्पष्ट किया है कि ग्रीन पटाखों के लिए संस्थान द्वारा कोई क्यूआर कोड या स्कैनिंग कोड जारी नहीं किया जाता. नीरी की भूमिका केवल पंजीकृत पटाखा निर्माताओं को फॉर्म्यूलेशन और टेस्ट रिपोर्ट प्रदान करने तक सीमित है.

सीएसआईआर-नीरी द्वारा विकसित ग्रीन पटाखे पारंपरिक पटाखों की तुलना में 30 से 50 प्र.श. तक हानिकारक उत्सर्जन कम करते हैं और इनमें बेरियम, लेड, आर्सेनिक या मरकरी जैसे प्रतिबंधित रसायन शामिल नहीं होते. यह पहल देश के लगभग 1.5 करोड़ रोजगार से जुड़े पटाखा उद्योग को सहयोग देती है. 15 सितंबर 2025 तक, 1,403 निर्माता नीरी के साथ पंजीकृत हैं, जिनकी अद्यतन सूची संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है. संस्थान ने बताया कि उत्पादों पर प्रदर्शित क्यूआर या बारकोड निर्माताओं द्वारा बनाए जाते हैं और पीईएसओ व सीपीसीबी जैसी एजेंसियों द्वारा सत्यापित किए जाते हैं. नागपुर और शिवकाशी में स्थित रेस (रॉ मैटेरियल्स, कम्पोजिशन्स एंड एमिशन्स) परीक्षण केंद्रों में पटाखों के कच्चे माल, उत्सर्जन और ध्वनि स्तर की जांच की जाती है. सीएसआईआर-नीरी ने कहा कि वह उत्सर्जन और ध्वनि प्रदूषण को और कम करने के लिए अनुसंधान जारी रखे हुए हैं.

Apna Nagpur
Page No. 3 Oct 18, 2025
Powered by: erelego.com